10
कलीसियाः
इसकी एकता

एकता की परिभाषा

1. **कुरिन्थुस के लोगों से पौलुस ने कौन सी चार बातें कहीं (1 कुरिन्थियों 1:10)।**
   तो फिर एकता कैसे हो सकती है ?
2. **दाऊद ने एकता की आशीष के बारे में क्या कहा (भजन 133:1) ?**
3. **''एकता'' और ''संघ'' में अन्तर बताएं।**
   क. ऐसे संघ का एक उदाहरण दें जिसमें एकता न हो।
   विभिन्न साम्प्रदायिक कलीसियाओं की संघीय सभा एक संघ तो बन सकती है, परन्तु इसे एकता नहीं कहा जा सकता।
   ख. इसे अच्छी तरह समझाने के लिए इस प्रकार समझाया जा सकता है।
   मान लीजिए कि ए, बी, सी, डी, साम्प्रदायिक कलीसियाएं मिलकर रिवाइवल के लिए एक संघ बनाती हैं। उनमें पांच सौ मसीही लोग हैं। रिवाइवल के अंत तक इनमें से चार सौ लोगों में फूट पड़ जाती है। क्या उनके इस मेल से पहले से विभाजित कलीसियाएं और मज़बूत नहीं हुईं ? इसलिए क्या एक होकर सभाएं करने से मसीही एकता आ सकती है ?
   ग. इन पांच सौ में से सौ लोगों ने मीटिंग में भाग लेने वाली कलीसियाओं में विभाजित होने से इन्कार कर दिया था। वे लोग क्या थे ?

एकता क्यों आवश्यक है

1. **यीशु ने किसके लिए प्रार्थना की थी (यूहन्ना 17:20-22) ?**
2. **पौलुस ने मसीही लोगों से क्या बनने की बिनती की थी (1 कुरिन्थियों 1:10) ?**
3. **उस एकता की सुरक्षा और उसे बनाए रखने के लिए सबको कैसे काम करना चाहिए (इफिसियों 4:1-3) ?**
4. **धार्मिक फूट के कारण संसार में अविश्वास कैसे पैदा होता है (यूहन्ना 17:21) ?**
5. **धार्मिक जगत में एकता में आने वाले बहुत से खर्च को कैसे कम किया जा सकता है ?**
6. **पौलुस ने कलीसिया में फूट की निंदा कैसे की (1 कुरिन्थियों 1:13; 3:3, 4; रोमियों 16:17, 18) ?**

एकता का आधार

इन गैर ज़रूरी बातों को निकाल दें	इन ज़रूरी बातों को रख लें
1. धर्मसार – जैसे क. नियमावलियां ख. विश्वास के अंगीकार ग. हैंडबुज़्स घ. मैनुअल्स	1. बाइबल
2. साज़्प्रदायिक नाम	2. बाइबल द्वारा बताए नाम
3. साज़्प्रदायिक कलीसियाएं	3. बाइबल के अनुसार कलीसिया
4. साज़्प्रदायिक कलीसियाओं का बपतिस्मा – उनका ढंग, नमूना और लेने वाले	4. नये नियम का बपतिस्मा – इनका कार्य, नमूना और लेने वाले

निष्कर्ष

1. **दिखाएं कि सभी धर्मसार और मैनुअल्स अनावश्यक कैसे हैं।**
2. **दिखाएं कि केवल बाइबल की ही ज़रूरत है (2 तीमुथियुस 3:16, 17)।**
3. **दिखाएं कि साज़्प्रदायिक नाम ज़्यों अनावश्यक हैं।**
4. **अब दिखाएं कि सब लोग बाइबल में मिलने वाले नामों को मानकर कैसे एक हो सकते हैं।**
5. **समझाएं कि साज़्प्रदायिक कलीसियाओं द्वारा दिया जाने वाला बपतिस्मा कैसे गलत है।**
6. **अब दिखाएं कि ऐसी किसी भी बात के आधार पर जो सुस्पष्ट रूप से साज़्प्रदायिक हो मसीही एकता सज़्भव नहीं है।**
7. **उस एकता को पाने के लिए जिसके लिए मसीह ने प्रार्थना की थी, ज़्या छोड़ना आवश्यक है?**
   ज़्या रखना आवश्यक है? ऊपर दी गई सूची का अध्ययन करें।

पौलुस की शिक्षा - मसीही व्यज़्ति का प्लेटफार्म (इफिसियों 4:4-6)

1. ***आराधना*** **के बारे में, ज़्या होना चाहिए?..... एक परमेश्वर**
2. ***अधिकार*** **के बारे में, किसके पास होना चाहिए?.....एक प्रभु**
3. ***संगठन*** **के बारे में, कैसा होना चाहिए? ..... एक देह**
4. ***जीवन*** **के बारे में, देने वाला कौन होना चाहिए? .....एक आत्मा**
5. ***शिक्षा*** **के बारे में, कौन सी शिक्षा होनी चाहिए? ..... विश्वास**
6. ***प्रचलन*** **के बारे में, ज़्या होना चाहिए? .....एक बपतिस्मा**
7. ***उद्देश्य*** **के बारे में, ज़्या होना चाहिए? ..... एक आशा**